इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 736

16 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए

## भारतीय इस्पात प्राधिकरण में इस्पात के उत्पादन में गिरावट आना

736. डा. के.पी. रामालिंगम:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) आधुनिकीकरण और विस्तार संबंधी अपनी परियोजनाओं को यथासमय पूरा करने में असफल रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम का कार्यान्वयन न होने के कारण इस्पात का उत्पादन वर्ष 2011-12 के दौरान घट गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वर्तमान चरण में अपनी क्रूड स्टील की उत्पादन क्षमता 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए अपने 5 एकीकृत इस्पात संयंत्रों भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर तथा बर्नपुर एवं सेलम स्थित विशेष स्टील प्लांट पर आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजना शुरू की है।

सेलम इस्पात संयंत्र का विस्तार कार्य सितम्बर, 2010 में पूरा किया जा चुका है। अन्य संयंत्रों के संबंध में, कुछ पैकेजों को पूरा करने से संबंधित कार्रवाई शुरू की जा चुकी है और आधुनिकीकरण तथा विस्तार के मौजूदा चरण के 2013 तक पूरा हो जाने की आशा है। इस्को इस्पात संयंत्र के विस्तार के मामले में, कठिन और अप्रत्याशित मृदा स्थितियों, भूमिगत पत्थरों और टीलों आदि को हटाने में सिविल और संरचनात्मक निर्माण-कार्यों में काफी वृद्धि हो गई जिसमें अतिरिक्त समय लगना अपरिहार्य हो गया।

(ग) और (घ): सेल द्वारा 2011-12 के दौरान 13.35 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया गया जबकि पिछले वर्ष 13.76 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया गया था। मुख्य रूप से भिलाई इस्पात संयंत्र में ब्लास्ट फर्नेस और कोक ओवन बैटरियों की मरम्मत तथा बोकारो इस्पात संयंत्र में बार-बार बिजली की बाधाओं के कारण 2011-12 के दौरान क्रूड स्टील का कम उत्पादन हुआ।

**********